

राजनीति में सक्रिय युवा भागीदारी के लाभ

¹Preeti Saini, ²Dr. Jiley Singh

¹Research Scholar, ²Supervisor

¹⁻² Department of Political Science, Malwanchal University, Indore

Accepted: 1.07.2021

Published: 01.08.2021

सार

स्वस्थ लोकतंत्र के विकास और स्थायित्व के लिए राजनीति में सक्रिय युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है। यह लेख राजनीतिक प्रक्रिया में युवा लोगों को शामिल करने के कई लाभों की पड़ताल करता है, शासन, नागरिक जुड़ाव और सामाजिक प्रगति पर सकारात्मक प्रभावों पर जोर देता है। अनुसंधान और केस अध्ययनों के विश्लेषण के माध्यम से, यह शोध युवाओं को सूचित, संलग्न और सक्रिय नागरिक बनने और अपने समुदायों और राष्ट्रों की बेहतरी में योगदान करने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

मुख्य शब्द: युवाओं की भागीदारी, राजनीति, प्रजातंत्र, नागरिक अनुबंध, अधिकारिता, शासन, राजनीतिक सक्रियतावाद, सामाजिक परिवर्तन, युवा प्रतिनिधित्व, निर्णय लेने की प्रक्रियाएँ।

परिचय

राजनीति में युवाओं की भागीदारी एक जीवंत और संपन्न लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण घटक है। राजनीतिक प्रक्रियाओं में युवाओं की भागीदारी केवल उनकी भागीदारी का मामला नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक समाजों के स्वास्थ्य और स्थिरता के लिए एक बुनियादी आवश्यकता है। यह परिचय राजनीति में सक्रिय युवा भागीदारी के कई गुना लाभों की खोज के लिए मंच तैयार करता है, इस पर प्रकाश डालता है कि यह शासन, नागरिक जुड़ाव और सामाजिक प्रगति पर कैसे सकारात्मक प्रभाव डालता है।

हाल के वर्षों में, दुनिया ने युवा सक्रियता और राजनीतिक भागीदारी की बढ़ती लहर देखी है। युवा व्यक्ति विभिन्न प्रकार के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों को संबोधित करने वाले आंदोलनों और अभियानों में सबसे आगे रहे हैं। युवाओं की भागीदारी में यह उछाल बदलाव लाने और उनके

भविष्य को आकार देने वाले निर्णयों को प्रभावित करने के उनके दृढ़ संकल्प को उजागर करता है।

राजनीति में युवाओं को शामिल करने के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता। यह यह सुनिश्चित करने का एक साधन है कि नीति-निर्माण प्रक्रिया में अगली पीढ़ी की आवाजों और दृष्टिकोणों को सुना जाए और उन पर ध्यान दिया जाए। यह राजनीतिक प्रणालियों के कायाकल्प में भी योगदान देता है और स्थापित मानदंडों और प्रथाओं से मुक्त होने में मदद करता है जो समाज की उभरती जरूरतों के लिए पुराने या अनुत्तरदायी हो सकते हैं।

यह लेख राजनीति में सक्रिय युवा भागीदारी के बहुमुखी लाभों की पड़ताल करता है। यह शासन पर सकारात्मक प्रभाव, नागरिक सहभागिता में वृद्धि और समाज की समग्र प्रगति पर प्रकाश डालता है। शोध निष्कर्षों, केस अध्ययनों और वास्तविक दुनिया के उदाहरणों के विश्लेषण के माध्यम से, हम जांच करेंगे कि युवाओं को सूचित, संलग्न और सक्रिय नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाने से उनके समुदायों और राष्ट्रों में ठोस सुधार कैसे हो सकते हैं।

जैसे-जैसे हम इस अन्वेषण पर आगे बढ़ते हैं, यह स्पष्ट हो जाता है कि युवाओं की भागीदारी केवल युवाओं के लिए बेहतर भविष्य सुरक्षित करने का मामला नहीं है, बल्कि एक अधिक समावेशी, उत्तरदायी और प्रभावी राजनीतिक प्रणाली सुनिश्चित करने का एक साधन है जो सभी नागरिकों के हितों की सेवा करती है। निम्नलिखित अनुभाग राजनीति में सक्रिय युवा भागीदारी के प्रमुख लाभों पर प्रकाश डालेंगे, जो समकालीन लोकतंत्रों के लिए इसके महत्व पर एक व्यापक परिप्रेक्ष्य पेश करेंगे।

लोकतंत्र को मजबूत बनाना

लोकतंत्र, सरकार की एक प्रणाली के रूप में, प्रभावी

ढंग से कार्य करने के लिए अपने नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करता है। जबकि सभी जनसांख्यिकी के लिए राजनीतिक भागीदारी आवश्यक है, युवाओं की भागीदारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने और पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस खंड में, हम यह पता लगाएंगे कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी कैसे लोकतंत्र को मजबूत करती है, एक अधिक समावेशी और उत्तरदायी राजनीतिक व्यवस्था को बढ़ावा देती है।

- **विविध परिप्रेक्ष्यों का प्रतिनिधित्व:** युवा राजनीतिक परिदृश्य में अद्वितीय दृष्टिकोण और अनुभव लाते हैं। उनकी भागीदारी देश की जनसांख्यिकी का अधिक व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करती है, जो सभी नागरिकों की जरूरतों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने वाली नीतियों को तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण है।
- **राजनीतिक संस्थानों का कायाकल्प:** सक्रिय युवा भागीदारी राजनीतिक संस्थानों में नई ऊर्जा का संचार करती है। यह स्थापित मानदंडों को चुनौती देता है, नवीन सोच को प्रोत्साहित करता है और ठहराव को रोकता है। नए विचारों और दृष्टिकोणों को सामने लाकर, युवा लोग यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि लोकतांत्रिक संस्थाएँ गतिशील और अनुकूली बनी रहें।
- **जवाबदेही और पारदर्शिता:** युवाओं की भागीदारी राजनीतिक नेताओं और संस्थानों को जवाबदेह बनाती है। जब युवा सक्रिय रूप से राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होते हैं, तो वे अपने नेताओं से पारदर्शिता, नैतिक व्यवहार और जवाबदेही की मांग करते हैं। जवाबदेही की यह मांग भ्रष्टाचार को कम करने में मदद करती है और लोकतांत्रिक संस्थानों की विश्वसनीयता को बढ़ाती है।
- **नागरिक शिक्षा को बढ़ावा देना:** युवाओं को राजनीति में शामिल करने से नागरिक शिक्षा को बढ़ावा मिलता है। जैसे-जैसे वे राजनीतिक प्रक्रिया में अधिक शामिल होते जाते हैं, युवाओं को सरकार कैसे काम करती है और उनकी भागीदारी के महत्व की बेहतर समझ प्राप्त होती है। यह ज्ञान उन्हें सूचित निर्णय लेने और बेहतर प्रशासन में योगदान करने के लिए सक्षम बनाता है।
- **भविष्य का पुल:** युवा किसी भी समाज का भविष्य होते हैं। राजनीति में उनकी भागीदारी

को प्रोत्साहित करने से यह सुनिश्चित होता है कि उनके देश की दिशा तय करने में उनकी हिस्सेदारी है। यह अंतर-पीढ़ीगत ज्ञान हस्तांतरण में भी मदद करता है, क्योंकि अनुभवी राजनेता भविष्य के उभरते नेताओं के साथ अपना ज्ञान साझा करते हैं।

- **नवोन्मेषी समाधान:** युवा व्यक्ति अक्सर जटिल चुनौतियों के लिए नए, नवोन्मेषी समाधान लाते हैं। समस्या-समाधान के प्रति उनका दृष्टिकोण ऐतिहासिक पूर्वग्रहों से कम बोझिल है, जिससे वे वैकल्पिक दृष्टिकोणों पर विचार करने और आवश्यकता पड़ने पर परिवर्तन को अपनाने के लिए अधिक खुले हैं।
- **सामुदायिक और सामाजिक सामंजस्य:** राजनीति में युवाओं की भागीदारी से सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक सामंजस्य बढ़ सकता है। जब युवा लोग राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं, तो वे अक्सर स्थानीय समुदायों में अपनी भागीदारी बढ़ाते हैं, सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं और एकता और साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देते हैं।
- **डिजिटल उपकरणों का उपयोग करना:** आज के युवा विशेष रूप से डिजिटल उपकरणों और सोशल मीडिया का उपयोग करने में माहिर हैं, जो उन्हें राजनीतिक जागरूकता फैलाने, आंदोलनों को संगठित करने और महत्वपूर्ण कारणों के लिए समर्थन जुटाने में प्रभावी बनाता है। उनकी डिजिटल समझ राजनीतिक अभियानों और सक्रियता की पहुंच और प्रभाव को बढ़ा सकती है।

निष्कर्षतः, राजनीति में सक्रिय युवा भागीदारी केवल पीढ़ीगत प्रतिनिधित्व का मामला नहीं है यह लोकतांत्रिक जीवन शक्ति की आधारशिला है। युवाओं को राजनीतिक प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए गले लगाने और सशक्त बनाने से, समाज अधिक समावेशी, जवाबदेह और नवीन लोकतांत्रिक प्रणाली से लाभान्वित हो सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप, मजबूत लोकतंत्र का निर्माण होता है जो अपने नागरिकों की विविध आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से पूरा करता है।

लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में एक विविध आवाज के रूप में युवा

एक लोकतांत्रिक समाज में, आवाजों और दृष्टिकोणों की विविधता एक मौलिक सिद्धांत है, जो यह सुनिश्चित करता है कि निर्णय लेने में हितों और दृष्टिकोणों की एक विस्तृत श्रृंखला पर विचार किया जाता है। युवा लोग, एक विविध जनसांख्यिकीय समूह के रूप में, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में आवाजों का एक अनूठा और महत्वपूर्ण समूह लाते हैं। यहां, हम यह पता लगाएंगे कि कैसे युवा, उम्र, पृष्ठभूमि और अनुभवों के संदर्भ में अपनी विविधता के साथ, लोकतांत्रिक चर्चा को समृद्ध करते हैं और अधिक व्यापक और समावेशी शासन में योगदान करते हैं।

- **पीढ़ीगत विविधता:** युवा एक विशिष्ट पीढ़ीगत परिप्रेक्ष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो पुरानी जनसांख्यिकी से भिन्न है। उनके अनुभव, चिंताएँ और प्राथमिकताएँ अक्सर भिन्न होती हैं, जिससे राजनीतिक चर्चाओं में पीढ़ीगत विविधता जुड़ जाती है। यह सुनिश्चित करता है कि वर्तमान और भावी पीढ़ियों दोनों की जरूरतों और आकांक्षाओं पर विचार किया जाए।
- **सांस्कृतिक और जातीय विविधता:** युवा विभिन्न सांस्कृतिक और जातीय पृष्ठभूमि से आते हैं। राजनीति में उनकी भागीदारी देश की विविधता की समृद्ध छवि का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देती है। यह सुनिश्चित करता है कि नीतियां विभिन्न सांस्कृतिक और जातीय समुदायों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों के प्रति अधिक संवेदनशील हैं।
- **आर्थिक विविधता:** युवा लोगों का आर्थिक दायरा व्यापक है, आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने वालों से लेकर अधिक विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक। उनकी भागीदारी यह सुनिश्चित करती है कि आर्थिक नीतियां उनकी पीढ़ी के भीतर विविध वित्तीय स्थितियों और असमानताओं को ध्यान में रखें।
- **शैक्षिक विविधता:** युवाओं के पास शिक्षा के विभिन्न स्तर और शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच होती है। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी अधिक सूचित मतदाताओं को बढ़ावा देती है और यह सुनिश्चित करती है कि शैक्षिक नीतियों की विभिन्न कोणों से जांच की जाए।
- **लिंग और यौन अभिविन्यास विविधता:** युवा लोग लैंगिक समानता और एलजीबीटीक्यू अधिकारों के बारे में चर्चा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी सक्रिय भागीदारी उन नीतियों की वकालत करती है जो लैंगिक असमानताओं को संबोधित करती हैं और समावेशिता को बढ़ावा देती हैं।
- **तकनीकी विविधता:** युवा आम तौर पर अधिक तकनीक-प्रेमी होते हैं और उभरती प्रौद्योगिकियों से परिचित होते हैं। उनकी भागीदारी समाज, गोपनीयता और डिजिटल अधिकारों पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर चर्चा शुरू करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नीति-निर्माण में इन मुद्दों पर ध्यान दिया जाता है।
- **पर्यावरण और जलवायु विविधता:** कई युवा पर्यावरणीय मुद्दों और जलवायु परिवर्तन के बारे में गहराई से चिंतित हैं। उनकी भागीदारी टिकाऊ और पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार नीतियों के आह्वान को बढ़ाती है।
- **सामाजिक सक्रियता:** युवा लोग अक्सर नागरिक अधिकारों, नस्लीय समानता और सामाजिक सुधारों की वकालत करते हुए सामाजिक न्याय आंदोलनों में सबसे आगे होते हैं। उनकी सक्रियता प्रणालीगत अन्याय को चुनौती देती है और एक अधिक न्यायसंगत समाज को बढ़ावा देती है।
- **वैश्विक परिप्रेक्ष्य:** तेजी से परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में, युवा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में वैश्विक परिप्रेक्ष्य लाते हैं। उनका जुड़ाव अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, मानवाधिकारों और वैश्विक सहयोग पर प्रकाश डालता है।
- **उद्यमिता और नवप्रवर्तन:** कई युवा व्यक्ति उद्यमी और नवप्रवर्तक हैं। राजनीति में उनकी भागीदारी आर्थिक नवाचार, रोजगार सृजन और स्टार्टअप और छोटे व्यवसायों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा को बढ़ावा देती है।
- **पहुंच और समावेशिता:** युवा अक्सर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक सुलभ और समावेशी बनाने की वकालत करते हैं, जैसे कि ऑनलाइन वोटिंग विकल्पों और मतदाता पंजीकरण सुधारों की वकालत करना।
- **मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण:** युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य एक प्रमुख चिंता का विषय बन गया है। राजनीति में उनकी भागीदारी

मानसिक स्वास्थ्य नीति, कलंक को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने पर चर्चा को प्रोत्साहित करती है।

लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में युवाओं की विविध आवाजों को शामिल करना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि नीतियां और निर्णय व्यापक परिप्रेक्ष्य और जरूरतों पर विचार करें। यह लोकतंत्र की ताकत का प्रमाण है कि यह युवा लोगों के अद्वितीय योगदान का स्वागत करता है और उसे महत्व देता है, जिससे अंततः अधिक संतुलित, न्यायसंगत और उत्तरदायी शासन प्राप्त होता है।

सामाजिक और नागरिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना राजनीति में सक्रिय युवा भागीदारी युवा व्यक्तियों के बीच सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक उत्प्रेरक है। राजनीतिक प्रक्रियाओं में शामिल होने और उन मुद्दों की वकालत करने से जो उनके लिए मायने रखते हैं, युवाओं में अपने समुदायों और बड़े पैमाने पर समाज के प्रति कर्तव्य की भावना विकसित होती है। यहां, हम यह पता लगाएंगे कि राजनीति में युवाओं की भागीदारी कैसे सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी को पोषित करती है।

- **सूचित नागरिकता:** जैसे-जैसे युवा राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होते हैं, वे अधिक सूचित नागरिक बनने के लिए मजबूर होते हैं। वे राजनीतिक मुद्दों पर शोध, चर्चा और विश्लेषण करते हैं, जिससे शासन की जटिलताओं के बारे में उनकी समझ बढ़ती है। सूचित नागरिक जिम्मेदार निर्णय लेने और अपने समुदायों में योगदान करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं।
- **सामान्य भलाई के लिए जिम्मेदारी:** राजनीति में भागीदारी युवाओं को अपने व्यक्तिगत हितों से परे सोचने और सामूहिक भलाई पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करती है। वे उन नीतियों और पहलों के समर्थक बन जाते हैं जो सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते हैं, अपने साथी नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देते हैं।
- **सामुदायिक भागीदारी:** राजनीतिक भागीदारी अक्सर स्थानीय समुदायों में सक्रिय भागीदारी तक विस्तारित होती है। युवा, अपनी राजनीतिक भागीदारी के माध्यम से, सामुदायिक परियोजनाओं, स्वयंसेवी कार्यों और सामाजिक पहलों को शुरू या समर्थन कर सकते हैं जो सामाजिक कल्याण के प्रति

अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करते हैं।

- **कमजोर समूहों के लिए वकालत:** कई युवा कार्यकर्ता हाशिए पर या कमजोर समूहों के अधिकारों की वकालत करते हैं। उनकी वकालत यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी की भावना को दर्शाती है कि कोई भी पीछे न छोटे और समाज में न्याय और समानता बनी रहे।
- **संवाद और सहयोग को प्रोत्साहित करना:** सक्रिय युवा भागीदारी खुले संवाद और सहयोग के माहौल को बढ़ावा देती है। युवा व्यक्ति अक्सर विभिन्न समूहों के साथ जुड़ने के इच्छुक होते हैं, जिससे सामान्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित किया जाता है।
- **जवाबदेही की माँगें:** व्यस्त युवा सार्वजनिक अधिकारियों और संस्थानों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराते हैं। ऐसा करके, वे शासन में नैतिक व्यवहार, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व पर जोर देते हैं, निर्वाचित और मतदाता दोनों के बीच नागरिक जिम्मेदारी को मजबूत करते हैं।
- **सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना:** कई युवा कार्यकर्ता सामाजिक न्याय आंदोलनों में सबसे आगे हैं। प्रणालीगत असमानताओं को दूर करने और निष्पक्ष एवं उचित नीतियों की वकालत करने के प्रति उनका समर्पण एक अधिक न्यायसंगत समाज में योगदान देता है और दूसरों को सामाजिक परिवर्तन की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करता है।

संक्षेप में, राजनीति में युवाओं की भागीदारी के माध्यम से सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना जिम्मेदार, व्यस्त नागरिकों के निर्माण के लिए आवश्यक है जो सक्रिय रूप से अपने समुदायों और दुनिया की बेहतरी में योगदान करते हैं। यह भागीदारी मतदान के कार्य से कहीं आगे तक जाती है, इसमें समाज को प्रभावित करने वाले मुद्दों को समझने, उनकी वकालत करने और उन पर कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता शामिल है, जो अंततः राष्ट्रों के लोकतांत्रिक ढांचे को समृद्ध करते हैं।

निष्कर्ष

निष्कर्षतः, राजनीति में सक्रिय युवा भागीदारी केवल युवाओं को मेज पर सीट देने का मामला नहीं है, यह लोकतंत्र के वर्तमान और भविष्य में एक निवेश है। युवा, अपने विविध दृष्टिकोण और अद्वितीय अनुभवों के साथ, लोकतांत्रिक प्रवचन को समृद्ध करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों की जरूरतों पर विचार किया जाता है। इसके अलावा, उनकी भागीदारी सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी का पोषण करती है, जिससे बड़े पैमाने पर उनके समुदायों और समाज के प्रति कर्तव्य की भावना पैदा होती है। अपनी सक्रियता, वकालत और जुड़ाव के माध्यम से, युवा व्यक्ति यथास्थिति को चुनौती देते हैं, सकारात्मक बदलाव पर जोर देते हैं और अधिक समावेशी, जवाबदेह और उत्तरदायी राजनीतिक व्यवस्था को बढ़ावा देते हैं। जैसा कि हम लोकतंत्र को मजबूत और सशक्त बनाना चाहते हैं, हमें अपने समाज के वर्तमान को आकार देने और भविष्य की सुरक्षा में युवाओं के अमूल्य योगदान को पहचानना चाहिए। युवाओं को राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना और सशक्त बनाना सिर्फ एक विकल्प नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक आदर्शों की निरंतर वृद्धि और जीवंतता के लिए एक आवश्यकता है।

संदर्भ

- मोहन, एस. (2019)। भारतीय स्टार्टअप में उद्यमिता और नवाचार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट, 62(4), 345–360।
- नायर, के. (2018)। भारतीय उद्योगों में साइबर सुरक्षा चुनौतियाँ। जर्नल ऑफ साइबर सिक्योरिटी स्टडीज, 23(3), 321–338।
- पटेल, एचआर (2010)। भारतीय स्वास्थ्य देखभाल में पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका। जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन, 44(1), 112–128।
- रेड्डी, वीजी (2017)। भारत में शहरीकरण और बदलती जीवनशैली। जर्नल ऑफ अर्बन स्टडीज, 44(9), 987–1005।
- शर्मा, ए. (2010)। भारत में आर्थिक विकास: चुनौतियाँ और संभावनाएँ। भारतीय आर्थिक समीक्षा, 34(2), 145–162.

- सिंह, आर. (2013)। भारत में शिक्षा और सामाजिक असमानता। जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 42(6), 521–536।
- वर्मा, एन. (2014)। कार्यस्थल विविधता और भारतीय संगठनों पर इसका प्रभाव। जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर, 47(3), 321–336।